FA	1

राज्य स्तरीय आकलन

सत्र 2019–20

सुझावात्मक गतिविधियाँ

कक्षा : सप्तमी — **विषय : संस्कृतम्**

PAPER CODE : 7051 — **पूर्णांक : 10**

निर्देश – खण्ड 'अ' से कोई एक गतिविधि तथा खण्ड 'ब' से कोई एक गतिविधि करावें।

खण्ड 'अ' (अंक 05)

LO – LS - 704 – अपनी भाषा के शब्दों को संस्कृत शब्दों में व्यक्त कर सकते हैं। यथा - दैनिक उपयोगी वस्तुओं के नामए पशु पक्षियों के नाम।

गतिविधि 01 – वस्तु प्रदर्शनी

उद्देश्य – विद्यार्थियों में संस्कृत शब्दभण्डार की वृद्धि करना तथा नूतन वस्तुओं के संस्कृत नामों की खोज करना।

आवश्यक सामग्री – परिधान, आभूषण, दैनिक उपयोगी वस्तुओं/चित्रों का संकलन।

शिक्षक कथन – बच्चों आज हम अपने जीवन में प्रातः से रात्रि पर्यन्तम् जिन–जिन वस्तुओं से रूबरू होते हैं, उपयोग करते हैं, उन वस्तुओं को तथा वन्यजीव, दैनिकवस्तुओं को देखो। डिब्बे से स्वयं बिना देखे एक वस्तु निकालो और उस वस्तु को संस्कृत में क्या कहा जाता है? बताओ।

गतिविधि के चरण –

- विभिन्न वस्तुओं/चित्रों से भरा हुआ एक कार्टून (डिब्बा) मेज पर रखेंगे।
- पहले एक–एक वस्तु का संस्कृत–नाम परिचित कराएँगे।
- इसके पश्चात् एक–एक छात्र आकर डिब्बे से एक वस्तु उठाकर संस्कृत नाम बताएंगे।

आकलन प्रारुप

क्र.	विद्यार्थी का नाम	चक्र 1	चक्र 2	चक्र 3	चक्र 4	चक्र 5	योग कुल अंक

LO – LS - 704 – अपनी भाषा के शब्दों को संस्कृत शब्दों में व्यक्त कर सकते हैं। यथा - दैनिक उपयोगी वस्तुओं के नामए पशु पक्षियों के नाम।

गतिविधि 02 – देखो जानो और बताओं।

उद्देश्य – जीवन में उपयोगी सामग्रियों, यंत्रों के संस्कृत नाम जान सकेंगे एवं अन्य सामग्रियों का नाम संस्कृत में खोज करेंगे।

आवश्यक सामग्री – दैनिक उपयोगी सामग्रियाँ जैसे– मोबाईल, दूरदर्शन, यन्त्र, यान/वाहन, उचित पोषाक इत्यादि का प्रत्यक्ष सामग्री, या चित्र।

शिक्षक कार्य – शिक्षक विद्यार्थियों को संकलित सामग्रियों अथवा उनके चित्रों को सामने मेज या बेंच पर रखने कहेंगे।

गतिविधि – छात्र/छात्रा अपने द्वारा निर्मित वस्तुओं को दिखाते हुए एक दूसरे से पूछेंगे,कि यह क्या है? जवाब आने पर, एवं इसका संस्कृत नाम भी बच्चे बतायेगें, बच्चों के द्वारा नहीं बताये जाने पर शिक्षक द्वारा बताया जायेगा। इसी प्रकार अन्य उपयोगी सामग्रियों का संस्कृत में नाम जान सकेंगे। इसे प्रत्येक विधा बच्चे के लिए 5–5 अवसर प्रदान करें।

आकलन की प्रारुप

क्र.	विद्यार्थी का नाम	1 अंक	2 अंक	3 अंक	4 अंक	5 अंक	योग कुल अंक

LO – LS - 704 – अपनी भाषा के शब्दों को संस्कृत शब्दों में व्यक्त कर सकते हैं। यथा - दैनिक उपयोगी वस्तुओं के नामए पशु पक्षियों के नाम।

गतिविधि 03 – पदान्त्याक्षरी।

उद्देश्य – छात्रों में संस्कृत के शब्द ज्ञान की वृद्धि व नूतन शब्दों का अन्वेषण।

आवश्यक सामग्री – कोई विशेष सामग्री की आवश्यकता नहीं है।

शिक्षक कार्य – सह गतिविधि के चरण शिक्षक सर्वप्रथम कक्षा के विद्यार्थियों को समूहों में बाँटेगें। तत्पश्चात् एक बोलकर अन्त्याक्षरी का शुरूआत करेगें। अब क्रमशः शब्द के अंतिम अक्षर से प्रथम समूह शब्द बोलेगा, प्रथम समूह के द्वारा बोले गये शब्द के अंतिम अक्षर से दूसरा समूह शब्द बोलेगा, फिर तीसरा, चौथा और पाँचवा समूह क्रमशः शब्द बोलेगा। यह क्रम दस से पन्द्रह मिनट तक चलता रहेगा। समूह के द्वारा सही उत्तर पर प्रत्येक चक्र में समूह के सभी विद्यार्थियों को 1–1 अंक दें।

आकलन का प्रारुप

क्र.	समूह क्र.	विद्यार्थी का नाम	चक्र 1	चक्र 2	चक्र 3	चक्र 4	चक्र 5	योग कुल अंक

खण्ड 'ब' (अंक 05)

LO – LS - 715 – विभिन्न विषयों उद्देश्यों के लिए उचित व्याकरणिक तत्वों का उपयोग करते है।

गतिविधि 01 – अस्माकं संस्कृतिः अस्माकं गौरवः।

उद्‌देश्य – विद्यार्थियों को राज्य में प्रचलित महत्त्वपूर्ण पर्वों एवं उनसे सम्बन्धित संस्कृति का ज्ञान कराना।

आवश्यक सामग्री – संस्कृत पाठ्‌य पुस्तक एवं पर्वों से संबंधि प्रतीक चिह्‌न/सामग्री/इनकी व्यवस्था पूर्व से कर ली जाये।

शिक्षक कार्य – आज हम एक गतिविधि के माध्यम से अपने प्रदेश के विभिन्न पर्वों की संस्कृति को अभिनय के द्वारा जानेंगे। आप लोगों को समूह के अनुसार ''छत्तीसगढस्य प्रमुखपर्वाणि'' पाठ पर आधारित किसी एक पर्व की संस्कृति को अभिनय के माध्यम से व्यक्ति करना है।

गतिविधि के चरण –

- कक्षा के विद्यार्थियों को 2 से 4 तक समूहों में विभक्त करें।
- ''छत्तीसगढस्य प्रमुखपर्वाणि'' पाठ में वर्णित पर्वों के चिट बनाकर एक डिब्बे में रख दें।
- समूह आकर एक–एक चिट उठायें और उसमें उल्लेखित पर्व के संबंध में पाठ्‌यपुस्तक को आधार लेकर एक 3 से 5 मिनट का सांस्कृतिक प्रदर्शन (अभिनय पूर्वक) तैयारी करेंगे। इसके लिए 10 मिनट का समय दिया जावे।
- 10 मिनट पश्चात प्रत्येक समूह सभी सदस्यों के साथ अभिनय प्रस्तुति देंगे।
- प्रदर्शन के आधार पर समूह के सभी सदस्यों को समान अंक दिये जाएँगे।

आकलन की प्रारुप

क्र.	विद्यार्थी के नाम	प्रस्तुति का अभिनय 2	प्रयुक्त सामग्री 1	वेशभूषा 1	संवाद 1	योग

LO – LS - 715 – विभिन्न विषयों उद्देश्यों के लिए उचित व्याकरणिक तत्वों का उपयोग करते है।

गतिविधि 02 — सन्धि अभ्यास क्रीड़ा।

उद्‌देश्य – विद्यार्थियों में स्वर संधि के अभ्यास कराना एवं स्मृति जाँच करना।

आवश्यक सामग्री – सन्धि युक्त कुछ शब्दों की सूची।

शिक्षक कथन – विद्यार्थियों आज हम एक खेल खेलते हैं, जिसमें सन्धि के प्रकार एवं उदाहरणों का अभ्यास शामिल होगा। आप लोगों को मेरे द्वारा बताये गये सन्धि अथवा विच्छेद के आधार पर प्रकार को दस सेकण्ड के अन्तर्गत लिखना होगा।

गतिविधि के चरण –

- सभी छात्र–छात्राएँ अपनी कॉपी–पेन पकड़कर रहेंगे।
- शिक्षक द्वारा सन्धि का एक उदाहरण बोला जायेगा यथा – विद्या + आलयः में सन्धि क्या होगी। यह सुनकर बच्चे अपनी कॉपी में सन्धि के प्रकार को लिखेंगे। और खड़े हो जायेंगे।
- इसी तरह क्रमशः पांच प्रश्न पूछे जायेंगे।

प्रत्येक प्रश्न पर 1 अंक निर्धारित है।

आकलन का प्रारुप

क्र.	विद्यार्थी के नाम	यथा – विद्या+आलय	सन्धि 1	सन्धि 2	सन्धि 3	सन्धि 4	सन्धि 5	योग

LO – LS - 715 – विभिन्न विषयों उद्देश्यों के लिए उचित व्याकरणिक तत्वों का उपयोग करते है।

गतिविधि 03 — समास –समास खेल।

उद्देश्य – विद्यार्थियों में समास करना, समास–विग्रह करना एवं समास नाम को जानना। इसका अभ्यास कराना।

आवश्यक सामग्री – सामासिक पदों, विग्रह–पदों एवं समास नामों की सूची लिखे हुये कागज के पुर्जे एवं एक बाक्स।

शिक्षक कथन – आज हम समास के ज्ञान को एक खेल के माध्यम से अभ्यास करेंगे। इसमें आप लोगों का आकलन भी होगा एवं नम्बर भी दिये जायेंगे।

गतिविधि के चरण –

- एक बड़े डिब्बे में सामासिक पद, विग्रह–पद एवं समास नाम लिखे हुये बहुत से पूर्जे (चिट) भरकर टेबल में रख देंगे।
- क्रमशः प्रत्येक छात्र–छात्रा आकर एक पूर्जा उठायेंगे और पूर्जे में यदि समास का नाम हो तो उसका एक उदाहरण बतायेंगे यदि समास विग्रह लिखा होगा तो सामासिक–पद बनायेंगे। तथा सामासिक पद लिखा होगा तो उसका विग्रह बनायेंगे।
- प्रत्येक छात्र–छात्रा के लिये न्यूनत्तम 05 अवसर प्रदान करें जो आकलन के आधीन होंगे। प्रत्यके अवसर पर सही उत्तर पर एक अंक निर्धारित किये जाये।

आंकलन प्रक्रिया

क्र.	विद्यार्थी के नाम	अवसर 1	अवसर 2	अवसर 3	अवसर 4	अवसर 5	योग